समाचार

डेंगू, मलेरिया व कीटजनित बीमारियों को लेकर नगर निगम व स्वास्थ्य विभाग एलर्ट मोड पर

(नगर निगम कोरबा एवं स्वास्थ्य विभाग की हुई संयुक्त बैठक, वार्ड एवं बस्तियों में पहुंचेगी संयुक्त टीम, दवाओं का छिड़काव, संभावित लार्वा को खत्म करने एवं जनजागरूकता लाने चलेगा अभियान)

कोरबा 09 अक्टूबर 2025 –डेंगू, मलेरिया, कीटजनित व जलजनित बीमारियों से सुरक्षा एवं बचाव हेतु नगर निगम कोरबा व स्वास्थ्य विभाग एलर्ट मोड पर कार्य करते हुए वार्ड व बस्तियों में विशेष अभियान चलाएगा, इस हेतु गठित संयुक्त टीमें डोर–टू–डोर पहुंचकर दवाओं के छिड़काव, संभावित लार्वा को खत्म करने व इस दिशा में लोगों में जागरूकता लाने का कार्य एक अभियान के रूप में करेंगी, इसके साथ ही घर के आसपास, छतों पर व घर के बाहर भीतर रखी कबाड़ सामग्रियों में जल जमाव को खत्म करने, एहतियाती कदम उठाने हेतु लोगों को जागरूक करेंगी।

कलेक्टर श्री अजीत वसंत व महापौर श्रीमती संजूदेवी राजपूत के मार्गदर्शन तथा निगम आयुक्त श्री आशुतोष पाण्डेय के दिशा निर्देशन में आज नगर पालिक निगम कोरबा तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक निगम कार्यालय में आयोजित हुई, बैठक में अपर आयुक्त विनय मिश्रा, उपायुक्त नीरज कौशिक, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजय तिवारी, स्वास्थ्य विभाग से डॉ.सिद्दीकी, डॉ.दुबे, जिला समन्वयक श्रीमती ज्योत्सना सहित निगम के स्वच्छता विभाग व जिला स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे। अपर आयुक्त विनय मिश्रा ने बैठक में कहा कि वर्तमान वर्षा ऋतु में डेंगू, मलेरिया व कीटजनित बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है, विगत वर्ष भी शहर के कुछ क्षेत्रों में डेंगू के प्रकरण सामने आए थे, अतः हमें इस दिशा में एलर्ट मोड़ पर रहकर कार्य करना होगा। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि इस हेतु स्वास्थ्य विभाग के मैदानी अमले, नगर निगम के मैदानी अ मले एवं मितानिनों की संयुक्त टीमें घर–घर पहुंचकर एक विशेष अभियान के रूप में इन बीमारियों से बचाव व सुरक्षा हेतु सभी आवश्यक कार्यवाहियॉ करेंगी तथा इस कार्य में वार्ड पार्षदों, स्थानीय जनप्रतिनिधियों व वरिष्ठ नागरिकों का महत्वपूर्ण सहयोग व मार्गदर्शन भी प्राप्त

करेंगी। अभियान के दौरान कीटनाशक व लार्वारोधी दवाओं का छिड़काव कर संभावित लार्वा, मच्छर आदि को खत्म करने का कार्य होगा, विशेषकर हाटस्पाट क्षेत्रों को चिन्हित कर वहॉ पर सघन कार्यवाही की जाएगी। घरों के आसपास एवं घर की छतों पर जल जमाव न हों, छत पर रखी पानी टंकियॉ पूर्ण रूप से ढकी हुई व ढक्कनयुक्त हों, घरों एवं घरों के बाहर रखी कबाड़ सामग्रियों, कूलर, गमले, फूलदान आदि में जल जमाव न हों, इस हेतु लोगों को जागरूक किया जाएगा।

डेगू रोग के लक्षण – डेगू बीमारी एडिज नामक मच्छर के काटने से होती है, एडिज मच्छर दिन के समय काटता है, डेगू रोग के प्रमुख लक्षण हैं अचानक तेज सिर दर्द व तेज बुखार, मांसपेशियों तथा जोड़ों में दर्द, आंखों के पीछे दर्द होना जो कि आंखों के घुमाने से बढ़ता है, जी मिचलाना व उल्टी होना, गंभीर मामलों में नाक मुंह मसूड़ों से खून आना तथा त्वचा पर चकत्ते उभरना आदि प्रमुख लक्षण है।

बचाव के उपाय– एडिज मच्छर साफ पानी में पनपते हैं, अतः कूलर, पानी की टंकी, पक्षियों के पीने के पानी का बर्तन, फ्रीज की ट्रे, फूलदान, खाली टायर, खुले हुए ओव्हरहेड टैंक, छतों में रूका बरसाती पानी नियमित रूप से खाली किया जाए तथा उन्हें धूप में सुखाने के बाद उपयोग में लाया जाए। जिन बर्तनों में पीने का पानी रखा रहता है, उन्हें ढक कर रखें, घरों के दरवाजे व खिड़कियों में जाली पर्दे लगाए तथा सोते समय मच्छरदानी का उपयोग करें, घर में मच्छरनाशक दवाओं का छिड़काव कराएं।

एहतियात बरतने प्रशासन की आमजन से अपील– जिला प्रशासन एवं निगम प्रशासन द्वारा आमजन से अपील करते हुए कहा गया है कि डेंगू, मलेरिया, पीलिया व अन्य संक्रामक रोगों से बचाव हेतु सावधानी बरतें। घर में रखे कूलर, छत व घर के आसपास पानी जमा न होने दें, प्रतिदिन कूलर का पानी बदलें, यदि कूलर उपयोग में नहीं लाया जा रहा तो उसका पानी निकालकर एवं सुखाकर कूलर को घर के अंदर रख दें, घर के बर्तनों, फूलदान व अन्य सामग्रियों व जगहों पर पानी जमा न हों, इस हेतु सजग रहें, अपने घर व आसपास की स्वच्छता बनाए रखें।